www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET Paper 3 December 30, 2007 Shift 1 Political Science Question Paper

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________
(In words)

Test Booklet No.

D—0207

PAPER—III

POLITICAL SCIENCE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

POLITICAL SCIENCE

राजनीति विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage, and answer the questions given at the end of it :

Judicial activism has in recent years led some judges to issue directions to the Government not merely with regard to administration of jails but also with regard to the functioning of local bodies and even other agencies of State Government. Although the media has generally given great publicity to such pronouncements of the court and has landed those court decisions, the acclaim and appreciation has not been always unanimous and consistent. There has indeed been an equally vocal school of thought which has been unsparing in the criticism. The critic assert that the court has, by issuing directions in those matters, usurped the functions of the administrative agencies. It is also pointed out that in issuing directions in matters which are purely administrative and about which the court does not possess the requisite administrative expertise and proficiency it has overstepped its limits. Such decisions, it is stated, land the administrative agencies in practical difficulties and make them bear the brunt of decisions of the court some of which are wholly oblivious of the administrative needs and as such ill-conceived. Criticism against the above decisions is also levelled on the ground that if once the courts take it upon themselves the task of issuing diktats as to how local

Prepp
Your Personal Exams Guide

bodies and other agencies should run their administration, what is there, consistently with the above approach, to prevent the courts from issuing directions as to how the State Governments and the Central Government should administer the States and the country. Would not such an approach disturb the delicate balance of distribution of powers and between the three wings of the State - the legislature, the executive and the judiciary ? Would not such approach strike at the very basis of our democratic polity which postulates that the governance of the country should be carried on by elected representatives of the people enjoying the confidence of the legislature and answerable and accountable to the people at the time of elections ?

निम्न लेखांश को पढ़िये तथा में दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

हाल के वर्षों में न्यायिक सक्रियतावाद के कारण कुछ न्यायाधीशों ने सरकार को न केवल जेलों के प्रशासन के संबंध में निर्देश दिये है वरन स्थानीय निकायो, तथा राज्य सरकार के दूसरे अभिकरणों को भी निर्देश दिए हैं। हालांकि संचार माध्यमों ने इसे आमतौर पर खूब प्रचारित किया है और न्यायालय के इन फैसलों की काफी प्रशंसा भी की है, लेकिन यह प्रशंसा और सराहना सर्वसम्मत एवं समरूप नहीं रही हैं। एक दूसरा पक्ष भी है जो इस विचारधारा का प्रबल तथा मुख्य आलोचक रहा है। आलोचक बलपूर्वक कहते हैं कि न्यायालय ने निर्देश देकर प्रशासनिक अभिकरणों के प्रकार्यों के अधिकार छीने हैं। यह भी इंगित किया गया है कि शुद्ध रूप से प्रशासनिक मामलों में न्यायालय के पास अपेक्षित कौशल व प्रशासनिक विशेषज्ञता नहीं होती तथा इनके अभाव में न्यायालय ने हस्तक्षेप करके अपनी सीमाओं का अतिक्रमण किया है। एसे निर्णयों से वास्तव में प्रशासनिक अभिकरण कठिनाइयों में फंस जाता है। ये निर्णय सुविचारित नहीं होते और प्रशासनिक आवश्यकताओं

के प्रति पूरी तरह से अनभिज्ञ। उपरोक्त निर्णयों के प्रति इस आधार पर भी आलोचना की जाती है कि न्यायालय ने स्थानीय निकायों और अन्य अभिकरणों को यह निर्देश देने की जिम्मेदारी ओढ़ली कि उन्हें किस प्रकार अपना प्रशासन चलाना चाहिए। तो फिर क्या व्यवस्था है, कि न्यायालय, राज्य सरकार और केंद्र सरकार को देश का शासन कैसे चलाना चाहिए, के विषय में निर्देश देने से रोका जा सके? क्या इस उपागम से राज्य के तीनों स्कन्धों (wings) विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच का नाजुक संतुलन नहीं बिगड़ जायेगा? क्या यह उपागम हमारी व्यवस्था पर कुठाराघात नहीं करेगा, जिसमें यह अभिधारण (postulate) की गई है कि देश का शासन जन प्रतिनिधियों द्वारा होगा, जिन्हें विधायिका का विश्वास प्राप्त है और जिनकी जवाबदेही चुनाव के समय जनता के प्रती होती है।

Answer the following questions :
निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. What is the precise meaning of the term 'Judicial Activism' ?
'न्यायिक सक्रियतावाद' का सटीक अर्थ क्या है?

www.prepp.in

2. Why has the media given great publicity to the pronouncements of the court ?
प्रसारण माध्यमों ने न्यायालय के उद्घोषणाओं को अत्यधिक प्रचारित क्यों किया ?

3. Why have the administrative agencies landed in difficulties ?
प्रशासनिक अभिकरण कठिनायों में क्यों फंसे ?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

4. Have the courts struck at the very roots of our democratic polity ?

क्या न्यायापालिका ने हमारे प्रजातंत्र की जड़ो पर कुठाराघात किया है?

5. Why is the governance of a country considered a complex task ?

देश का अभिशासन जटिल क्यों है?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच–पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. What is passive resistance according to Aurobindo ?

अरबिंदो के अनुसार निष्क्रिय विरोध/असहयोग आंदोलन क्या है?

Prepp
Your Personal Exams Guide

7. What is 'withering away of the State' ?

किसी 'राज्य का क्षीण हो जाना' (withering away) क्या है?

8. What are Locke's views on Property ?

सम्पत्ति के बारे में लॉक के विचार क्या हैं?

www.prepp.in

9. What is "feed back" ?

"पुनर्निवेशन" (फीड बैक) क्या है?

10. What is 'Political Decay' ?

'राज्यनीतिक क्षय' क्या है?

Prepp
Your Personal Exams Guide

11. What is 'Iron Law of Oligarchy' ?

'कुलीनतंत्र का लौह नियम' (आइरन लॉ) क्या है?

12. What is the significance of 9th schedule ?

'नौवाँ अनुसूची' का महत्व क्या है?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

13. What is Public Interest Litigation ?

'जनहितयाचिका' क्या है?

14. What is Prime Ministerial Government ?

प्रधानमंत्रीय सरकार क्या है?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

15. What are the negative features of hierarchy ?
अधिक्रम के नकारात्म अभिलक्षण क्या हैं?

16. What are the structural features of bureaucracy according to Max Weber ?
मैक्स वेबर के अनुसार नौकरशाही के संरचनात्मक अभिलक्षण क्या हैं?

Prepp
Your Personal Exams Guide

17. What is decentralized planning ?

विकेंद्रीकृत नियोजन क्या है?

18. What is Gujral Doctrine ?

गुजराल मत क्या है?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

19. When did neo-cold war begin ?

नव शीत-युद्ध कब शुरु हुआ?

20. List the elements of National Power.

राष्ट्रीय शक्ति के तत्वों की सूची बनाइए।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Discuss the basic principles of Neo-Humanism of M.N. Roy.

एम.एन रॉय के नव मानवतावाद के आधारभूत सिद्धांतों की चर्चा कीजिए।

22. Examine the relevant provisions in the Directive Principles of State Policy relative to democratic decentralization.

राज्यनीति के निर्देशक सिद्धांतों में प्रजातांत्रिक विकेंद्रीकरण के संदर्भ में संगत प्रावधानों का विश्लेषण कीजिए।

23. Discuss the concept of Constitutionalism.

संवैधानिकतावाद की संकल्पना की चर्चा कीजिए।

24. What are the causes of administrative corruption in India ? How could it be checked ?

भारत में प्रशासनिक भ्रष्टाचार के कारण क्या हैं? इसे किस प्रकार से रोका जा सकता हैं?

25. Why have Israel, India and Pakistan not signed N P T ?

इज़राइल, भारत और पाकिस्तान ने परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किये?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Review the progress of the confidence building measures in India-Pakistan relations in recent years.

हाल ही के वर्षो में भारत-पाक वार्ता में विश्वास बढ़ाने के उपायों पर हुई प्रगति की समीक्षा कीजिए।

OR / अथवा

Examine the steps taken for administrative reforms in India during last two decades.

पिछले दो दशकों में प्रशासनिक सुधारों के बारे में उठाये गये कदमों की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Identify the distinctive features of greek political thought.

ग्रीक राजनैतिक विचारधारा भेदक अभिलक्षणों की पहचान कीजिए।

OR / अथवा

Evaluate the experiments and impact of coalition politics on Indian political system.

भारतीय राजनैतिक व्यवस्था में साझा सरकार की राजनीति के प्रयोग का मूल्यांकन कीजिए।

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....